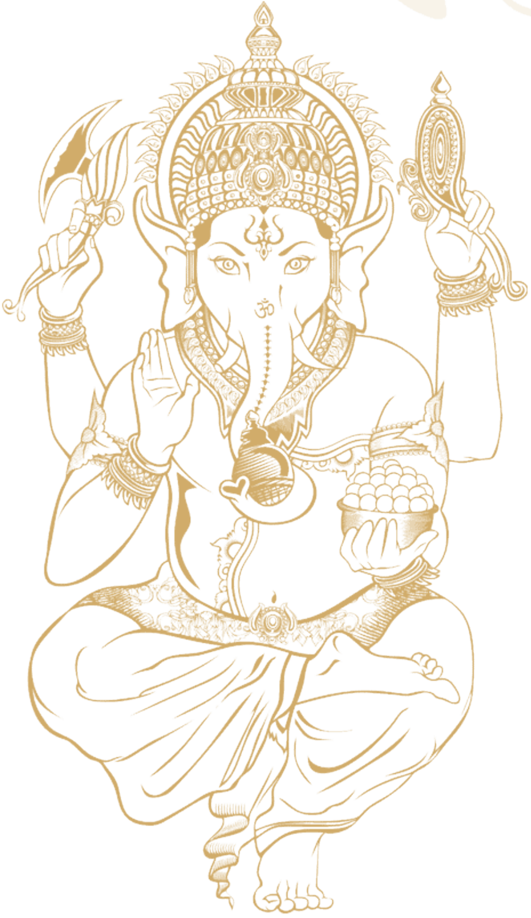

# Mr.garvit

# Ms.khushi

**Model: Horoscope-Matching** **Order No: 120361401**

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 11/03/2002 | जन्म तिथि | 08/05/2002 |
| सोमवार | दिन | बुधवार |
| घंटे 10:23:00 | जन्म समय | 10:23:00 घंटे |
| घटी 09:36:21 | जन्म समय(घटी) | 12:04:25 घटी |
| India | देश | India |
| Aligarh | स्थान | Kasganj |
| 27:54:00 उत्तर | अक्षांश | 27:48:00 उत्तर |
| 78:04:00 पूर्व | रेखांश | 78:38:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:17:44 | स्थानिक संस्कार | -00:15:28 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:32:27 | सूर्योदय | 05:31:07 |
| 18:23:38 | सूर्यास्त | 18:53:15 |
| 23:52:59 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:53:05 |
| वृष | लग्न | कर्क |
| शुक्र | लग्न लग्नाधिपति | चन्द्र |
| मकर | राशि | मीन |
| शनि | राशि-स्वामी | गुरु |
| धनिष्ठा | नक्षत्र | उ०भाद्रपद |
| मंगल | नक्षत्र स्वामी | शनि |
| 1 | चरण | 1 |
| शिव | योग | वैधृति |
| गर | करण | कौलव |
| गा-गगन | जन्म नामाक्षर | दू-दूती |
| मीन | सूर्य राशि(पाश्चात्य) | वृष |
| वैश्य | वर्ण | विप्र |
| जलचर | वश्य | जलचर |
| सिंह | योनि | गौ |
| राक्षस | गण | मनुष्य |
| मध्य | नाड़ी | मध्य |
| मार्जार | वर्ग | सर्प |

# ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **मंगल 6वर्ष 0मा 16दि** | | 09:47:02 | वृष | लग्न | कर्क | 03:17:55 | **शनि 14वर्ष 8मा 2दि** | |
| **राहु** | | 26:33:10 | कुंभ | सूर्य | मेष | 23:32:47 | **बुध** | |
| **27/03/2008** | | 25:09:06 | मक | चंद्र | मीन | 06:22:10 | **08/01/2017** | |
| **28/03/2026** | | 12:52:41 | मेष | मंगल | वृष | 22:39:01 | **09/01/2034** | |
| राहु | 08/12/2010 | 04:56:28 | कुंभ | बुध | वृष | 13:41:48 | बुध | 07/06/2019 |
| गुरु | 03/05/2013 | 11:53:26 | मिथु | गुरु | मिथु | 18:13:58 | केतु | 03/06/2020 |
| शनि | 09/03/2016 | 10:00:54 | मीन | शुक्र | वृष | 21:13:54 | शुक्र | 04/04/2023 |
| बुध | 26/09/2018 | 15:02:39 | वृष | शनि | वृष | 20:28:24 | सूर्य | 09/02/2024 |
| केतु | 15/10/2019 | 29:09:13 | वृष व | राहु व | वृष | 24:22:11 | चन्द्र | 10/07/2025 |
| शुक्र | 14/10/2022 | 29:09:13 | वृश्चि व | केतु व | वृश्चि | 24:22:11 | मंगल | 07/07/2026 |
| सूर्य | 08/09/2023 | 02:22:42 | कुंभ | हर्ष | कुंभ | 04:40:49 | राहु | 24/01/2029 |
| चन्द्र | 09/03/2025 | 16:03:25 | मक | नेप | मक | 17:05:19 | गुरु | 02/05/2031 |
| मंगल | 28/03/2026 | 23:43:15 | वृश्चि | प्लूटो व | वृश्चि | 23:09:00 | शनि | 09/01/2034 |

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

**23:52:59 चित्रपक्षीय अयनांश 23:53:05**

## लग्न-चलित

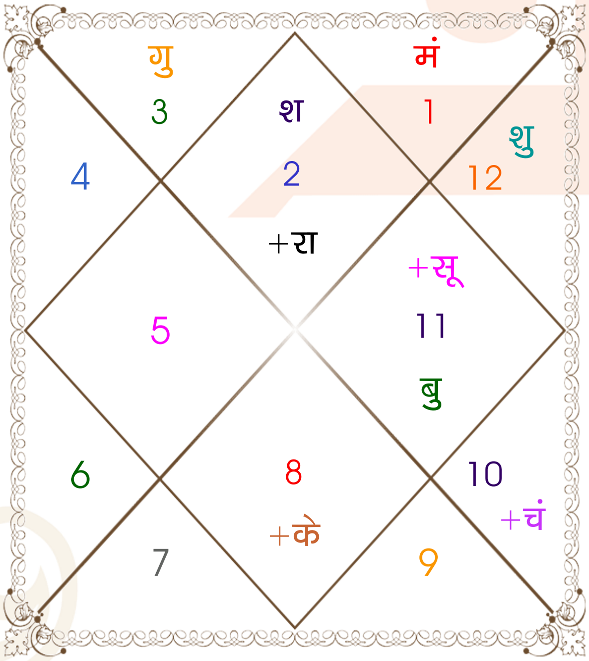

## लग्न-चलित

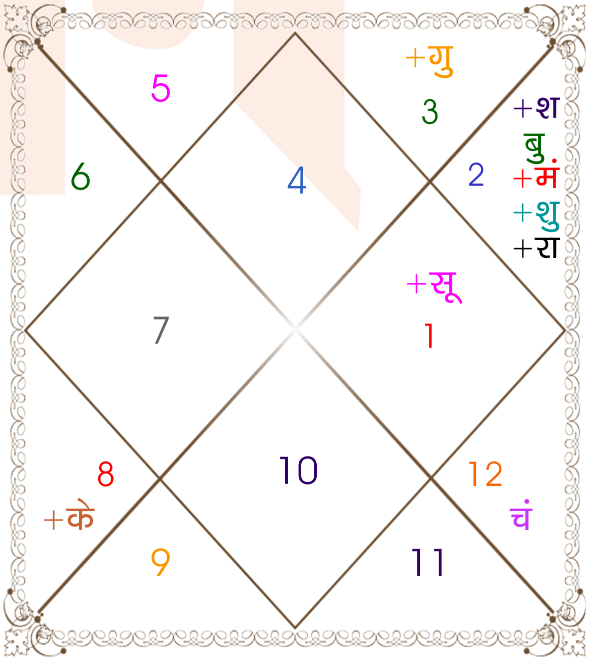

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | वैश्य | विप्र | 1 | 0.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | जलचर | जलचर | 2 | 2.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | वध | क्षेम | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | सिंह | गौ | 4 | 1.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | शनि | गुरु | 5 | 3.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | राक्षस | मनुष्य | 6 | 0.00 | हाँ | सामाजिकता |
| भकूट | मकर | मीन | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | मध्य | 8 | 0.00 | हाँ | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 14.50 | | |

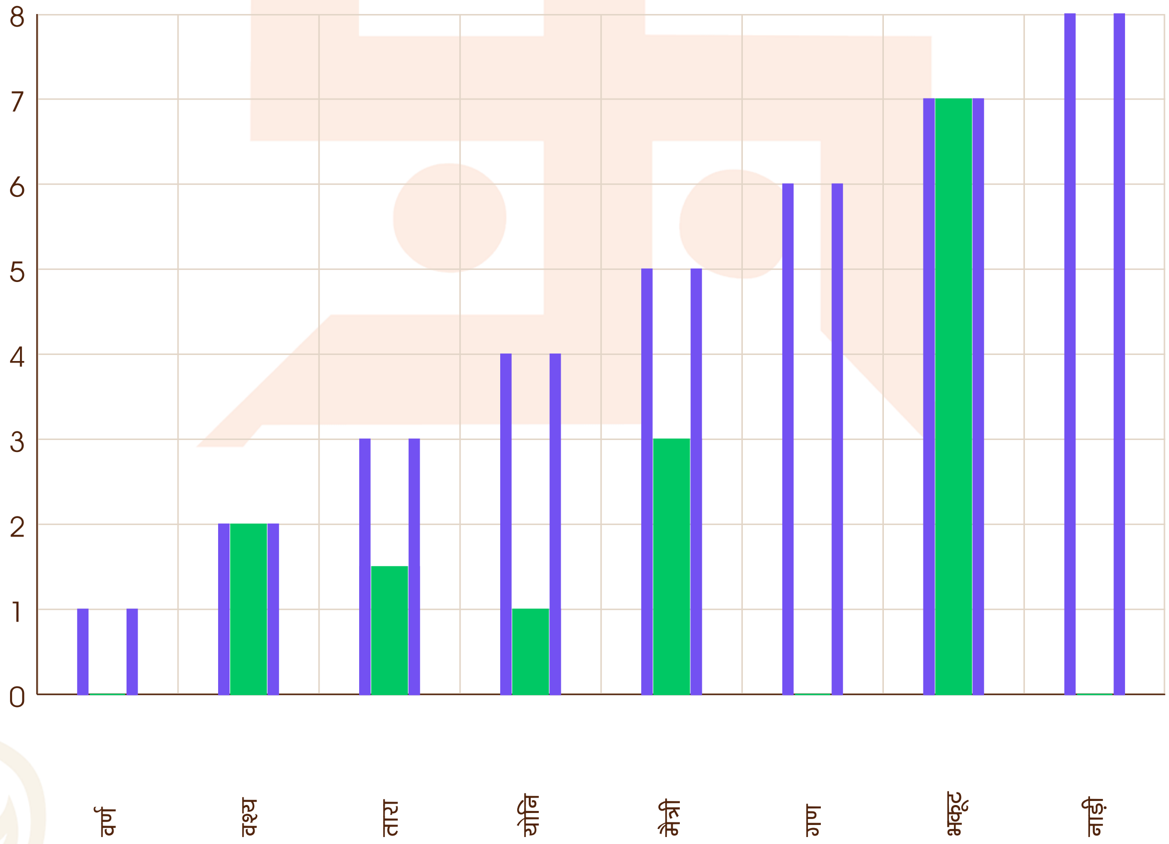
कुल : **14.5 / 36**

# अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Mr.garvit का वर्ग मार्जार है तथा Ms.khushi का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.garvit और Ms.khushi का मिलान ठीक नहीं है।

## मंगलीक दोष मिलान

Mr.garvit मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

**व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।**
**द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।**

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.garvit कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।**
**विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्";डडम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल Mr.garvit कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.khushi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.khushi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.garvit तथा Ms.khushi में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

# अष्टकूट फलादेश

## वर्ण

Mr.garvit का वर्ण वैश्य है तथा Ms.khushi का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Ms.khushi का वर्ण Mr.garvit के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Ms.khushi अति अहंकारी, शाहखर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। Ms.khushi को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

## वश्य

Mr.garvit का वश्य जलचर है एवं Ms.khushi का वश्य भी जलचर है अर्थात दोनों का वश्य समान ही है। जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों की शारीरिक स्थिति, स्वभाव, पसंद एवं नापसंद एक ही तरह के होंगे। दोनों के बीच अगाध प्रेम एवं सौहार्द बना रहेगा तथा समान दृष्टिकोण, व्यवहार एवं आपसी समझ होने के कारण एक-दूसरे के साथ सुखी जीवन व्यतीत करेंगे। ऐसा प्रतीत होगा कि दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हुए हैं तथा एक-दूसरे के साथ का आनंद लेते रहेंगे। दोनों एक-दूसरे के कामों में मदद करते रहेंगे तथा परिवार की प्रगति एवं समृद्धि में महती योगदान देंगे।

## तारा

Mr.garvit की तारा वध तथा Ms.khushi की तारा क्षेम है। Mr.garvit की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr.garvit बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। Mr.garvit को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु Ms.khushi लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

## योनि

Mr.garvit की योनि सिंह है तथा Ms.khushi की योनि गौ है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से

काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

## मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.garvit एवं Ms.khushi दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

## गण

Mr.garvit का गण राक्षस है तथा Ms.khushi का गण मनुष्य है। अर्थात Ms.khushi का गण Mr.garvit के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

## भकूट

Mr.garvit से Ms.khushi की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Ms.khushi से Mr.garvit की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr.garvit अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर Ms.khushi सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

## नाड़ी

Mr.garvit की नाड़ी मध्य है तथा Ms.khushi की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में Mr.garvit एवं Ms.khushi  का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

# मेलापक फलित

## स्वभाव

Mr.garvit की राशि भूमितत्व युक्त मकर तथा Ms.khushi की राशि जलतत्व युक्त मीन राशि है। राशि के तत्वों में समानता होने के कारण Mr.garvit और Ms.khushi के मध्य स्वभावगत समानताएं होंगी जिससे इनके परस्पर संबध मधुर रहेंगे तथा वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

Mr.garvit की राशि का स्वामी शनि तथा Ms.khushi की राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर सम राशियों में स्थित है। अतः Mr.garvit और Ms.khushi की परस्पर मित्रता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम सदभावना तथा समर्पण का भाव होगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को सुख एवं सहयोग प्रदान करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही एक दूसरे के गुणों की मुक्त भाव से हमेशा प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। इससे परस्पर सौहार्द का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति विश्वसनीय रहेंगे जिससे वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा।

Mr.garvit एवं Ms.khushi की राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी तथा एक दूसरे के अस्तित्व को सम्मान पूर्वक ढंग से स्वीकार करेंगे तथा व्यक्तिगत मामलों में कम ही हस्तक्षेप करेंगे जिससे परस्पर सम्मान तथा सदभाव बना रहेगा। इसके अतिरिक्त Mr.garvit एवं Ms.khushi की प्रवृति एक दूसरे के लिए त्यागशील रहेगी तथा सक्रिय रूप से एक दूसरे का ध्यान रखेंगे।

Mr.garvit एवं Ms.khushi का वश्य जलचर है। अतः इनकी अभिरूचियों में पूर्ण समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भी एक ही होंगी। साथ ही काम संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे फलतः वैवाहिक जीवन के सुखद क्षणों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे।

Mr.garvit का वर्ण वैश्य तथा Ms.khushi का वर्ण ब्राह्मण है। अतः Mr.garvit की प्रवृति धनार्जन की रहेगी तथा धन को विशेष महत्व देंगे परन्तु Ms.khushi शैक्षणिक धार्मिक तथा अन्य सत्कार्यो को सम्पन्न करने में प्रवृत रहेंगी। अतः यदा कदा कार्य क्षेत्र में परस्पर मतभेद या असमानता का भाव उत्पन्न हो सकता है परन्तु सामान्यतया इनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

## धन

Mr.garvit और Ms.khushi दोनों की तारा सम हैं। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा समान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में वे समर्थ होंगे। उनकी राशियां भी परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है जो शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से धनैश्वर्य एवं वैभव से ये निंत्य युक्त रहेंगे परन्तु Mr.garvit पर मंगल के अशुभ प्रभाव से यदा कदा सामान्य हानि या अनावश्यक व्यय का भी सामना

करना पड़ेगा।

जीवन में Mr.garvit को अनायास धन या लाभ प्राप्ति की संभावना रहेगी। Ms.khushi के सौभाग्य से भी इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी परन्तु मंगल के दुष्भाव से Mr.garvit की प्रवृति अनावश्यक तथा अधिक मात्रा में विलासमय वस्तुओं पर व्यय करने की रहेगी। अतः Mr.garvit को चाहिए कि ऐसी प्रवृति की यत्नपूर्वक उपेक्षा करें।

## स्वास्थ्य

Mr.garvit और Ms.khushi दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इसके प्रभाव से इनको समय समय पर स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इससे Mr.garvit और Ms.khushi दोनों को उदर संबंधी कष्ट होगा तथा लीवर से संबंधित परेशानियां भी समय समय पर होती रहेंगी। वे अपच आदि से भी असुविधा की अनुभूति करेंगे। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव Ms.khushi के स्वास्थ्य पर रहेगा इसके प्रभाव से इनको धातु या गुप्त रोग अथवा मासिक धर्म संबधी परेशानियां रहेंगी। अतः नाड़ी दोष एवं मंगल के अशुभ प्रभाव के कारण ऐसे मिलान की उपेक्षा करनी चाहिए। तथापि उपरोक्त दुष्प्रभाव को कम करने के लिए हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करना शुभ रहेगा।

## संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से Mr.garvit और Ms.khushi का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Ms.khushi के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्य मान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Ms.khushi को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबंधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

Mr.garvit और Ms.khushi बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः Mr.garvit और Ms.khushi का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

## ससुराल-सुश्री

Ms.khushi के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे परन्तु यदा कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही Ms.khushi सास से अपनी माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में Ms.khushi को काफी परेशानी तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। यदि Ms.khushi धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा में सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवं ननदों से Ms.khushi के संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा। इस प्रकार सामंजस्य एवं बुद्विमता से ही Ms.khushi ससुराल में अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

## ससुराल-श्री

Mr.garvit के अपनी सास से संबधों में मधुरता रहेगी तथा सास को वह अपनी माता के समान पूर्ण आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। वह उन्हें अपने पुत्र के समान समझेंगी तथा उसी प्रकार अपनत्व तथा वात्सल्य प्रदान करेंगी। साथ ही समय समय पर वे सपत्नीक सास से मिलने के लिए ससुराल जाते रहेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Mr.garvit के संबध अच्छे नहीं रहेंगे। इनकी आयु में अधिक अंतर के कारण वैचारिक तथा सैद्धांतिक मतभेद समय समय पर उत्पन्न होते रहेंगे। लेकिन यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति से कार्य लें तो मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि होगी। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में तनाव रहेगा तथा मानसिक स्तर पर विभिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को वांछित सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति अल्प ही प्रदान करेंगे। अतः इनको परस्पर सामंजस्य के भाव की स्थापना करनी चाहिए। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण Mr.garvit के प्रति सामान्य ही रहेगा।